उत्पत्ति की पुस्तक में पूर्वजों के संबंध में मूल सत्य

1. परमेश्वर के वचन से अपने हृदयों व मष्तिष्क को तैयार कीजिये:

आप यह सारा अध्ययन एक साथ ही कर सकते हैं या फिर कुछ सप्ताहों तक एक या दो पूर्वजों के विषय में हर सप्ताह अध्ययन कर सकते हैं।

प्रार्थना : प्रभु, हमारी सहायता कीजिए कि हम पूर्वजों से सीख सकें कि कैसे लोग अनन्त सत्य को समझ सकते हैं।

अ) आदम: जब जगत की सृष्टि हुई ही थी, सब कुछ नया था, तो शैतान ने आदम की परीक्षा की और वह पाप में गिर गया। पढ़ें उत्पत्ति अध्याय 1 से 3

- **मूल सत्य:** हर कोई पाप करता है क्योंकि जब आदम ने पाप किया तो उसके द्वारा जगत में पाप और मृत्यु आई। मनुष्य स्वभाव से पापी है। पढ़ें रोमियों 5:12-21
- इन प्रश्नों पर विचार-विमर्श कीजिये : जब शैतान ने हव्वा की परीक्षा की तो उसने क्या प्रतिज्ञा की? पाप क्यों चित्त को आकर्षित करने वाला होता है?

(उत्तर: शैतान ने हव्वा से झूठ बोला था कि वह मरेगी नहीं पर बुद्धिमान और परमेश्वर के समान बन जाएगी)

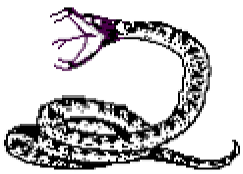

ब) नूह: नूह ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर एक बड़ा जहाज बनाया, जिसमें जल प्रलय के समय, नूह व उसका परिवार तथा हर प्रकार के जीव-जन्तु रहे और बच गये। पढ़ें उत्पत्ति 6-9 अध्याय।

- मूल सत्य : परमेश्वर पापियों को नाश करता है परन्तु जो आज्ञाकारी होते हैं उन्हें बचाता है। यीशु ने अंतिम न्याय व दंड की तुलना नूह के समय में होने वाले जल-प्रलय के दंड से की। (देखें मत्ती 24:37-42)।
- **विचार-विमर्श का प्रश्न:** नूह का जहाज किस प्रकार यीशु के पुन: जींवन पाने व हमें जीवन देने के समान है?

(उत्तर: यीशु हमें नया जीवन देता है। हम उसकी देह हैं। जैसे नूह और उसका परिवार जहाज में रहने के कारण मृत्यु और दंड से बच गया था, हम यीशु में रहने के कारण बचते हैं क्योंकि हम उसमें हैं)

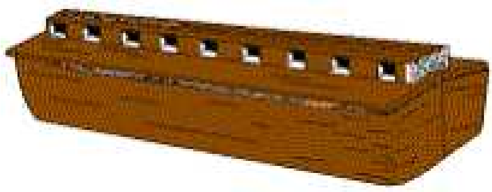

स) अब्राहम: अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और परमेश्वर ने उससे एक गंभीर वाचा बांधी।(उत्पति 12-26)। अब्राहम की तरह जब संसार के अन्य लोग परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर विश्वास करते हैं तो उसकी आशीषें पाते हैं :

उत्पति 12:1-7 में परमेश्वर की उन आशीषों की प्रतिज्ञाओं को ढूंढ़ें जो उसने अब्राहम के वंश द्वारा सारी जातियों को देने के लिये कहा था।

अध्याय 14 में पता लगाएं कि कैसे अब्राहम ने पांच विजातिय राजाओं को परास्त किया जो उसके भतिजे लूत को बंदी बनाकर ले गये थे।

अध्याय 15 में ज्ञात कीजिये कि किस प्रकार एक आश्चर्यजनक विधि के द्वारा परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा को अब्राहम के साथ पक्का किया।

अध्याय 18 पढ़कर ज्ञात कीजिये कि किस प्रकार अब्राहम अपने भतिजे लूत व उसके परिवार को बचाने के संबंध में परमेश्वर से बार बार निवेदन करता है।

अध्याय 19 में ज्ञात कीजिये कि किस प्रकार परमेश्वर ने दुष्ट नगर सदोम-अमोरा को नष्ट किया।

- मूल सत्य : परमेश्वर हमारे विश्वास के कारण हमें धर्मी गिनता है, जैसाकि उसने हमारे आत्मिक पिता अब्राहम को धर्मी गिना। (गलातियों 3:6-9)।
- **विचार विमर्श हेतु प्रश्न:** क्या मनुष्य अपने विश्वास के कारण उद्धार पाते हैं या अपने भले कार्यो के कारण?

*(**उत्तर:** इसका उत्तर इफिसियों 2:8-10 में पाया जाता है, कि "विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है।" हम भले कार्यो से धर्मी नहीं बन सकते। भले कार्य हमारे विश्वास का फल होते हैं।)*

ड) इसहाक: इसहाक प्रतिज्ञा की सन्तान था जिसका जन्म अद्‌भुत रीति से उस समय हुआ जबकि अब्राहम और सारा सन्तानोत्पत्ति करने योग्य न रह गये थे।(देखें उत्पत्ति अध्याय 21-28)। अध्याय 22 में हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने अब्राहम को अपने पुत्र इसहाक को बलिदान करने की आज्ञा दी। इस प्रकार परमेश्वर उसके विश्वास को परख रहा था। परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बांधी थी कि इसहाक उसका उत्तराधिकारी होगा जिसके द्वारा एक दिन वह अपनी प्रतिज्ञा पूरी करेगा।

उत्पत्ति 24 अध्याय में ज्ञात करें कि किस प्रकार अब्राहम का एक दास इसहाक के लिये ऐसी पत्नी खोजने निकलता है,जो एक ही परमेश्वर पर विश्वास रखने वाली हो।

- **मूल सत्य:** परमेश्वर हमारे विश्वास के आधार पर हमें धर्मी ठहराता है, कुछ लोग इस पर संदेह करते हैं। जब अब्राहम अपने प्रतिज्ञात उत्तराधिकारी की प्रतीक्षा करते करते थक गया तो उसने अपने प्रयत्नों से ही परमेश्वर की प्रतिज्ञा को पूरा करने का प्रयास किया। इसका परिणाम यह हुआ कि इश्माएल जन्म लेता है जो अरब राष्ट्र का पूर्वज हुआ जिससे बाद में इस्लाम का तथा झूठा विश्वास उदय हुआ कि मनुष्य अपने प्रयत्न से उद्धार पा सकता है।(पढ़ें गलातियों 4:21-31)
- **इन प्रश्नों पर विचार-विमर्श कीजिये :**

परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास की जांच किस प्रकार की?

*(**उत्तर:** परमेश्वर ने अब्राहम को आज्ञा दी कि वह अपने पुत्र को बलि करे। जब उसने देखा कि अब्राहम ऐसा करने को तैयार है तो परमेश्वर ने इसहाक के स्थान पर बलि चढ़ाने के लिये एक मेढ़े का प्रबन्ध किया। इब्रानियों 11:17-19 में बताया गया है कि अब्राहम ने विश्वास किया कि परमेश्वर इसहाक को मृतकों में से भी जिला सकता है।)*

किस प्रकार वह मेढ़ा यीशु का भविष्य चित्र प्रकट करता है?

(उत्तर: मेढ़ा एक निर्दोष पशु होता था जिसका रक्त दूसरों को बचाने के लिये बलिदान किया जाता था, अन्य पुराने नियम के व्यक्तियों तथा घटनाओं के समान यह भी यीशु का चित्र प्रकट करता है । यह उदाहरण लोगों को तैयार करने के लिये पहले ही से दिये गये ताकि जब यीशु जगत में आएं तो लोग उन्हें स्वीकार करने में परेशानी का अनुभव न करें)।

इ) याकूबः याकूब ने परमेश्वर की आशीषें पाने में मन लगाया था। परमेश्वर ने उसका नाम परिवर्तित करके इस्राएल रखा। उसके 12 पुत्र हुए जो इस्राएल के बारह गोत्र कहलाए।(उत्पत्ति 25-49)।

उत्पत्ति 25:21-34 तथा अध्याय 27 में ज्ञात करें कि याकूब ने अपने बड़े भाई एसाव को किस प्रकार घोखा देकर उसका पहिलौठे का अधिकार ले लिया, इस पहिलौठे के अधिकार के आधार पर वह संपत्ति का दुगुना भाग प्राप्त करने का हकदार बन जाता है, जैसा व्यवस्था विवरण 21:15-17 का नियम था।

- **मूल सत्यः** हम अपने भले कार्यो के आधार पर परमेश्वर का अनुग्रह और क्षमादान प्राप्त नहीं कर सकते हैं। याकूब ने झूठ बोलने पर भी परमेश्वर की आशीषें प्राप्त कीं, जैसाकि रोमियों 9:1-16 में समझाया गया है।
- इस प्रश्न पर विचार-विमर्श कीजियेः याकूब ने कौन से अच्छे व कौन से बुरे कार्य किए ?(उत्तरः याकूब एसाव की भूख का लाभ उठाकर उसके पहिलौठे का हक ले लेता है जो बुरा काम था, यह हक बड़े बेटे का ही होता है जिसके द्वारा बड़ा बेटा दुगने भाग का अधिकारी ठहरता है। उसने अच्छे काम भी किए, उसने सच्चे हृदय से परमेश्वर की उपासना की, तथा अपनी पत्नी राहेल को पाने के लिये अनेक वर्षो तक सेवा की।)

ई) युसुफः युसुफ के ईर्ष्यालु भाईयों ने उसे गुलाम के रूप में बेच दिया था (उत्पत्ति 37-50 अध्याय)। उसे बेचने के पश्चात् उसके भाईयों ने याकूब को बताया कि युसुफ को जंगली जानवरों ने मार डाला है। इसके बाद उस पर झूठा आरोप लगवाकर जेल में डलवा दिया गया(उत्पत्ति 39)। इसलिये कि वह परमेश्वर का भय रखता था, परमेश्वर ने उसे उठाया और उसे उन्नति दी। वह मिस्र का एक उच्चाधिकारी बन गया (उत्पत्ति 40-41)। इसके बाद वह अपने भाईयों व संपूर्ण परिवार को अकाल से बचाता है(उत्पत्ति 42-45 अध्याय)।

- **मूल सत्यः** परमेश्वर अपने लोगों को उनके निकट के संबंधी द्वारा बचाता है, ऐसा व्यक्ति जो उन्हें छुड़ाने का कार्य कर सकता है। यीशु मसीह हमारा निकट का संबंधी है, अर्थात् पापरहित मनुष्य जो हमें बचाने के लिये मरा (इब्रानियों 2:10-18)।
- इस प्रश्न पर विचार-विमर्श कीजिए : युसुफ किन बातों में ख्रीस्त यीशु के समान है?

(उत्तर : युसुफ "इस्राएल की सन्तानों" (याकूब) में से एक मूल व्यक्ति था, जिसको ईर्ष्या के कारण तुच्छ समझा गया, परन्तु उसका पिता उससे अत्यधिक प्रेम करता था। वह अपने पिता का आज्ञाकारी पुत्र था। उसके अपने लोगों ने उसे बेच दिया था (जिस प्रकार यीशु को यहूदा ने बेच दिया था)। उसे मिस्र ले जाया गया, उस पर झूठा आरोप लगाया गया और बंदीगृह में डाल दिया गया। वह उन्नत हुआ और राजा के दाहिने हाथ उच्च अधिकार में विराजमान हुआ। उस उच्चाधिकार के पद पर रहते हुए उसने अपने उन भाईयों को बचाया जिन्होंने उसे तुच्छ समझा था। उसने स्वयं को एक बड़े प्रीतिभोज में महिमा और वैभव के साथ प्रकट किया)।

2. अपने सहयोगियों के साथ योजना बनाएं कि आप व आपके विश्वासीगण अगामी सप्ताह क्या करेंगे:

आप योजना बनाएं कि अपने लोगों के साथ दो या तीन के झुण्ड में अपने ऐसे मित्रों या संबंधियों के घरों पर जाकर भेंट कर सकें जो प्रभु यीशु के बारे में अभी तक जानकारी नहीं रखते हैं। उनकी अगुवाई करें कि उन्हें इस्राएल के पूर्वजों की कहानियां सुना सकें।

3. अपने सहकर्मियों के लिये आने वाली आराधना सभा के आयोजन की योजना बनाएं।

अपनी कलीसिया में इस्राएल के पूर्वजों का इतिहास बताएं। जिन पूर्वजों का संक्षिप्त विवरण पहले किया गया है, उनमें से चुनें।

मूल सत्य बताएं और जो प्रश्न ऊपर दिए गये हैं , पूछें। उन्हें उत्तर न बताएं, पहले उनके विचार जान लें कि वे क्या सोचते हैं।

उत्पत्ति 15:6 कठस्थ करें ।

बच्चों को अवसर दीजिये कि जो कुछ उन्होंने तैयार किया हो वह प्रस्तुत करें।

प्रभु भोज विधि के लिये युसुफ की कहानी लीजिए और बताईए कि युसुफ ने अपने उन भाईयों के लिये एक प्रीति भोज का आयोजन किया था जिन्होंने उसे दास के रूप में बेच दिया था। वे युसुफ को न पहचाने थे। उसने उन्हें क्षमा किया था, और बाद में अपने आप को उन पर प्रकट किया था कि वह वास्तव में है कौन । हम भी प्रभु यीशु के साथ उसकी महिमा में प्रीति-भोज में सम्मिलित होंगे और उसे आमने-सामने देखेंगे।